भाकृअनुप-राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, तबीजी, अजमेर ने मनाया २२वां स्थापना दिवस

आज दिनांक 19 जनवरी, 2022 को भाकृअनुप-राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र , तबीजी, अजमेर का स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमें डॉ. आनन्द कुमार सिंह , उप-महानिदेशक (बागवानी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, मुख्य अतिथि के रूप में ऑन लाईन उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. विक्रमादित्य पाण्डेय, सहायक महानिदेशक (बागवानी) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, श्री संदीप पी. उबाले, मुख्य महाप्रबंधक, एसबीआई, डिजिटल ट्रांसफार्मेशन व ई-कामर्स, श्री राजेश कुमार मिश्र, मुख्य महाप्रबंधक, एसबीआई, जयपुर क्षेत्र भी वर्चुअल जुड़े थे। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एन. सक्सेना ने अपने स्वागत उद्बोधन के दौरान इस केन्द्र की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में सभी ऑन लाइन जुड़े वैज्ञानिकों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों को बताया।

इस अवसर पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने तथा किसान भाइयों की सुविधा हेतु बीजीय मसालों के क्रय हेतु सीड पोर्टल को एस.बी.आई. के योनो एप्प से एकीकृत करने का शुभारंभ माननीय उप-महानिदेशक (बागवानी) के कर-कमलों से किया गया। इसी कड़ी में एस.बी.आई. के मुख्य महाप्रबंधक श्री संन्दीप उबाले द्वारा योनों एप्प के कृषि संबंधी लाभ के बारे में विशेष बाते बतायी गई। श्री राजेश कुमार मिश्र , मुख्य महाप्रबंधक, एस.बी.आई, जयपुर क्षेत्र ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

इस 22वें स्थापना दिवस के अवसर पर जनजातीय क्षेत्रों में इस संस्थान के तनकीकी हस्तातरण के माध्यम से सफलता की कहानियों के विवरण पुस्तक का विमोचन किया गया। इसके साथ इस केन्द्र द्वारा विकसित व्यवसायीकरण बीजीय मसालों की अभिनव प्रौद्योगिकियॉ पुस्तक का भी डिजिटल विमोचन किया गया। इसके साथ-साथ 14 बीजीय मसालों एवं उनके सवंर्धित उत्पादों की खाद्य सुरक्षा मानकीकरण प्राधिकरण (FSSAI) के स्वीकृत पत्र का भी अधिकारिक विमोचन किया गया।

डॉ. विक्रमादित्य पाण्डेय, सहायक महानिदेशक (बागवानी) ने इस केन्द्र के समस्त कर्मचारियों एवं निदेशक के कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में उत्तरोत्तर प्रगति हेतु अपने उद्गार प्रस्तुत किये। डॉ. ए.के. सिंह , उप-महानिदेशक (बागवानी) ने अपने स्थापना दिवस उद्बोधन मं सभी को बधाई दी तथा आधुनिक तकनीकी के प्रयोग से बीजीय मसाला उत्पादक किसानों के आय में वृद्धि हेतु विभिन्न आयामों पर अनुसंधान कार्य की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होनें कृषि में डिजिटल तकनीकों के समावेश तथा युवाओं की भागीदारी का आवाहन किया। इस अवसर कृषि वैज्ञानिकों, सहायक कर्मचारियों तथा तकनीकी कर्मचारियों के उत्कृष्ठ कार्यों के लिए प्रशंसा पत्र भी प्रदान किये गये। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बृजेश कुमार मिश्र , प्रधान वैज्ञानिक ने सभी अतिथियों एवं प्रति भागियों का आभार व्यक्त किया तथा धन्यवाद प्रस्ताव दिया।